http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 72

प्रयागराज गुरुवार 28 नवम्बर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

इविविः 136वें दीक्षांत समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ ने बतौर मुख्य अतिथि किया संबोधित, राष्ट्र और समाज के लिए खुद को तैयार करें युवा।

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 136वां दीक्षांत समारोह बुधवार को सीनेट हाल में संपन्न हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आशीष कुमार चौहान ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। दीक्षांत समारोह में हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार कवि श्री कुमार विश्वास को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानद उपाधि (ऑनरिस कौसा) प्रदान की। इस दौरान मंच पर कुलाधिपति श्री आशीष कुमार सिंह और कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. आशीष खरे और कला संकाय की डीन प्रो. अनामिका राय की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी युवाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय देश के हर क्षेत्र में अपना सहयोग देता रहा है। यहां से पढ़े विद्यार्थियों ने समाज सेवा,

साहित्य, वैज्ञानिक, न्यायिक सेवा और प्रशासनिक सेवा में अपना बढ़–चढ़कर योगदान दिया है। कुछ वर्षों पहले इसमें गिरावट जरूर आई थी लेकिन वर्तमान में विश्वविद्यालय पुनः समृद्ध हो रहा है। मुझें विश्वास है कि जल्द ही विश्वविद्यालय अपनी पुरानी गरिमा को प्राप्त कर लेगा। दीक्षांत समारोह एक नूतन जीवन में प्रवेश का प्रारंभ है। उन्होंने दीक्षांत उपदेश का महत्व भी बताया। सत्य और धर्म के रास्ते पर चलकर माता–पिता और देश के प्रति कृतसंकल्प रहना अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे प्राचीन गुरूकुल ऋषि भरद्वाज ने प्रयागराज में आरंभ किया था। उच्च शिक्षा की श्रेणी यह कैसी होनी चाहिए, यह प्राचीन भारत ने पूरे विश्व को दिखाया है। कई हजार साल पहले हमारे गुरूकुलों में दीक्षांत प्रतिज्ञा करवाई जाती थी। हमारे जीवन में सांसारिक उत्कर्ष के मार्ग को प्रशस्त करने ही धर्म है। उन्होंने कहा कि युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए युवा संसद पर भी विश्वविद्यालय ध्यान दें। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र और समाज के लिए खुद को तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हमें अपने महापुरूषों से सीखकर आगे बढ़ना होगा। हमें नए बदलाव के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय को पुनः खड़ा होकर समाज को एक नया नेतृत्व देना होगा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोधार्थी महाकुंभ से समाज में होने वाले बदलाओं पर शोध करें। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय पुनः गौरव को स्थापित करने में जुटा है। मुझे विश्वास है कि इविवि समाज को नई दिशा देता रहेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे शिक्षा जगत में भारत को स्थापित करने में मद्द मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लड़कियों ने लड़कों से कहीं ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है और आठ में से सात मेडल उन्हें मिले हैं। यह देश की बेटियों के लिए गर्व का विषय है किंतु बालकों को भी अधिक प्रयास करने का संकेत भी है। हमारे समाज की बेटों को प्राथमिकता देने की मानसिकता के बावजूद बेटियां कम सुविधाएं पा कर भी बेटियां बेहतर कर रही हैं।

प्रयागराज की गलियों से ही हिंदी सेवा की प्रेरणा मिलीः कुमार विश्वास

प्रयागराज। कार्यक्रम के दौरान कवि डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव क्रांति से इविवि को शांति के मार्ग पर लाई हैं। उन्होंने कहा कि प्रयागराज की गलियों से ही उन्हें हिंदी सेवा की प्रेरणा मिली। इसी परिसर से हिंदी कविता दीप्ति से आलोकित हुई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के परिसर में सम्मानित होना उनके लिए गौरव की बात है। हिंदी के सभी तीर्थ पुरूष इसी विश्वविद्यालय के परिसर में टहले हैं। यहीं से हिंदी की कविता की संस्कार हुआ है।

अदाणी को जेल में होना चाहिएः राहुल गांधी

● शीतकालीन सत्रः अदाणी को बचा रही सरकार, राहुल का दावा, संसद के लिए 'इण्डिया' ने बनाई रणनीति

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इससे पहले अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बुधवार को एक बयान जारी कर बताया कि अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर कथित रिश्वतखोरी के मामले में अमेरिका के विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के उल्लंघन का कोई आरोप नहीं लगाया गया है। उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी के तहत आरोप लगाया गया है जिसमें मौद्रिक दंड लगाया जाना शामिल है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अदाणी की गिरफ्तारी की मांग फिर उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उन्हें बचा रही है। उन्होंने संसद परिसर में बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि अमेरिका में अदाणी को हजारों करोड़ की अनियमितता के मामले में आरोपी बनाया गया है। ऐसे में उन्हें जेल में होना चाहिए। इससे पहले अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बुधवार को एक बयान जारी कर बताया कि अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर कथित रिश्वतखोरी के मामले में अमेरिका के विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के उल्लंघन का कोई आरोप नहीं लगाया गया है। उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी के तहत आरोप लगाया गया है जिसमें मौद्रिक दंड लगाया जाना शामिल है। इस बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि क्या आपको लगता है कि अदाणी अपने खिलाफ लगे आरोपों को स्वीकार करेंगे? आप किस दुनिया में रह रहे हैं? निश्चित तौर पर वह इनकार करेंगे। जैसा कि हमने पहले कहा है, उनको गिरफ्तार किया जाना चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, श्छोटे–छोटे मामले में सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया जाता है। इन सज्जन को अमेरिका में हजारों करोड़ रुपये (की अनियमितता) के लिए अभ्योरोपित किया गया है। इनको जेल में होना चाहिए।श सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा की इस बीच विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं ने एक अहम बैठक की। इस दौरान उन्होंने अदाणी समूह से जुड़े मामले, उत्तर प्रदेश के संभल में बवाल, मणिपुर में हिंसा और कुछ अन्य मुद्दों को दोनों सदनों में उठाने का फैसला किया। विपक्षी दल दोनों सदनों में संविधान पर चर्चा भी चाहते हैं। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संसद भवन स्थित कार्यालय में हुई बैठक में राहुल, द्रमुक नेता टीआर बालू, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत तथा कई अन्य नेता शामिल हुए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उद्योगपति अडानी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए लेकिन सरकार उन्हें बचा रही है।

मोहन यादव ने निवेशकों के साथ कीं बैठकें

भोपाल,(एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने लंदन प्रवास के दौरान निवेशकों और उद्योग जगत के अग्रणी लीडर्स के साथ वन–ऑन–वन मीटिंग्स कर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने नवकरणीय ऊर्जा, कृषि व्यवसाय, अधोसंरचना, स्वास्थ्य सेवा और आईटी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी के अवसरों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को राज्य की व्यापार अनुकूल नीतियों और प्रोत्साहनों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग और नवाचार के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने राज्य की औद्योगिक क्षमता और इसके माध्यम से सतत विकास एवं नवाचार को बढ़ावा देने की अपनी सोच साझा की, जिसकी निवेशकों ने सराहना की। डॉ यादव ने कहा "मध्यप्रदेश, निवेशकों के लिए न केवल अवसरों का केंद्र है, बल्कि एक ऐसा साझेदार है, जो उनके व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगा।" उन्होंने प्रदेश में उद्योगों को सुगमता से स्थापित करने और संचालन के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही अधोसंरचना, कुशल कार्यबल और अन्य संसाधनों पर विशेष जोर दिया।

देवेंद्र फडणवीस कैबिनेट में श्रीकांत शिंदे हो सकते हैं डिप्टी सीएम

● एकनाथ शिंदे के सामने रखी डिमांड

मुम्बई,(एजेंसी)। सूत्रों के मुताबिक शिंदे ने कहा कि अगर यह मांग पूरी हो गई तो वह खुद सरकार से बाहर रहने को तैयार हैं। हालांकि, इस प्रस्ताव को उनकी ही पार्टी में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा इस पर सस्पेंस जारी है। इसी बीच सूत्रों ने बड़ा दावा किया है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि शिवसेना प्रमुख और कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे अपने बेटे श्रीकांत शिंदे को देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में महाराष्ट्र का डिप्टी सीएम बनाना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक शिंदे ने कहा कि अगर यह मांग पूरी हो गई तो वह खुद सरकार से बाहर रहने को तैयार हैं। हालांकि, इस प्रस्ताव को उनकी ही पार्टी में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। शिवसेना के कोर ग्रुप के नेताओं का तर्क है कि श्रीकांत को उप मुख्यमंत्री की भूमिका में पदोन्नत करने से पार्टी की छवि को नुकसान होगा, खासकर जब से वे उद्धव ठाकरे द्वारा अपने बेटे, आदित्य ठाकरे को बढ़ावा देने के आलोचक रहे हैं। गौरतलब है कि फडणवीस का महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बनना लगभग तय है क्योंकि बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने हरी झंडी दे दी है। 25 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी के एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने शिंदे को फोन पर बताया कि फड़णवीस अगले सीएम होंगे और जिसके बाद 26 नवंबर को एकनाथ शिंदे ने इस्तीफा दे दिया। इस बीच, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि अगर महायुति फैसला लेती है तो उनका खेमा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फड़णवीस को स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी उद्धव ठाकरे की तरह नहीं है, जिन्हें मुख्यमंत्री पद नहीं दिया गया तो पार्टी चली जाएगी। सूत्रों ने बताया कि अजित पवार फिर से उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं। और उन्हें फिर से वित्त मंत्रालय दिया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की भी पेशकश की गई थी। अगर एकनाथ शिंदे राज्य के डिप्टी सीएम बनने के लिए राजी नहीं होते हैं तो उन्हें केंद्रीय कैबिनेट में कोई पद दिया जा सकता है।

डिग्री को अंतिम पड़ाव नहीं समझें, आगे बढ़ेः प्रो. संगीता श्रीवास्तव

प्रयागराज। प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने दीक्षांत समारोह में शामिल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विश्वविद्यालय में आने पर धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से शिक्षकों के अभाव के कारण विश्वविद्यालय की प्रगति बाधित हो रही थी। पिछले कुछ वर्षों में शिक्षकों और गैर–शिक्षक कर्मचारियों की भर्ती होने से विश्वविद्यालय पुनः प्रगतिपथ पर दौड़ने को तैयार है। शिक्षक भर्तियां रुकवाने के लिए हाईकोर्ट में 60 मुकदमे दायर हुए थे, ऐसी विषम परिस्थितियों से जूझते हुए भी यहां भर्तियां हुई हैं। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के अनुशासन के कारण ही प्रदेश में शांति व्यवस्था कायम हुई है। प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के मद्देनजर पूरे शहर की हालत भी सुधर रही है। स्मार्ट सिटी के सौजन्य से इलाहाबाद विश्वविद्यालय को भी कई प्रोजेक्ट मिले हैं। शिक्षकों के लिए 60 नए आवास मिले हैं। विवि को एनआईआरफ में भी स्थान मिला है। विश्वविद्यालय अब ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चला रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी इसे जीवन का अंतिम पड़ाव न समझें, आगे बढ़ें और एक बेहतर समाज का निर्माण करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीक्षांत समारोह के दौरान मंच से आठ विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए, इनमें 7 छात्राएं और केवल एक छात्र शामिल रहा। मंच से एमए संस्कृत की छात्रा दीक्षा पांडे, एमएससी रसायन विज्ञान की छात्रा रिया तिवारी, एमकॉम की छात्रा रिया वर्मा और विधि विभाग की छात्रा नेहा उत्तम को मेडल प्रदान किया गया। स्नातक के लिए बीए–संस्कृत और हिंदी की छात्रा आंचल त्रिपाठी, बीएससी वनस्पति विज्ञान और रसायन विज्ञान की छात्रा मणि रश्मि, बीकॉम कामर्स के छात्र शुभम कुमार यादव और बीएएलएलबी की छात्रा रितिका सिंह को मंच से मेडल दिए गए। कुलाधिपति श्री आशीष कुमार चौहान ने छात्रों को दीक्षांत शपथ दिलाई और अपनी उन्हें शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने सीएम योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिह्न, शाल और अभिनंदन पत्र भेंट किया। उन्होंने कुलाधिपति श्री आशीष कुमार चौहान को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव का स्वागत कला संकाय अधिष्ठाता ने स्मृति चिह्न देकर किया। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और मंत्री नंद गोपाल गुप्ता को कुलसचिव प्रो. आशीष खरे ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इसके साथ की स्थानीय सांसद प्रवीण पटेल, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, पीयूष रंजन निषाद, हर्षवर्धन बाजपेयी, दीपक पटेल और मेयर गणेश केसरवानी और पूर्व एमएलसी सुरेंद्र चौधरी को भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन डॉ रितंभरा मालवीय तथा डॉ अविनाश श्रीवास्तव ने किया।

सजा

आजकल एक हवा चली है कि कोई भी आपराधिक घटना हो जाए और मामला किसी पार्टी या संगठन से जुड़े व्यक्ति का हो तो तुरंत ही चक्काजाम या थाने का घेराव होना लाजमी है ! और मामला बलात्कार का हो या लड़की को अगवा करने का हो तब तो फौरी इंसाफ की बात होती है। मामला यह हो जाता है कि आरोपी को भीड़ अपराधी घोषित कर देती है। भले ही कोई सबूत हो या ना हो !इसमें राजनेताओं और राजनीतिक पार्टियों की भी भूमिका कम नहीं, वे भी आग में घी डालने का काम करते हैं, बशर्ते सरकार उनके विरोधी की हो। जैसा कि बंगाल के कलकत्ता में हुआ। हालत इतने उलझ गए कि बंगाल की विधानसभा में ममता सरकार ने एक कानून ही पारित कर दिया कि बलात्कार के दोषी को फांसी की सजा दी जाए। अब सरकार में विधि सचिव की बुद्धि और ज्ञान सब कुछ मंत्री के आदेश के सामने लाचार हो गए।दिल्ली में हुए निर्भया कांड में भी जनता ने (राजनीतिक दलों नहीं लेने दिया गया था) ऐसी ही मांग रखी थी। केंद्र ने भी जनता की मांग पर सुप्रीम कोर्ट के सेवा निव्रत प्रधान न्यायाधीश वर्मा की अध्यक्षता मे एकल सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। उन्होंने अपनी सम्मति में लिखा था कि आरोपी के लिए निर्धारित प्रक्रिया से ही अपराधी घोषित किया जा सकता है, तब ही उसे सजा दी जा सकती है। निर्भय कांड मे दोषियों को सजा ष्फांसीष सालों बाद दी जा सकी। लिखने का तात्पर्य यह है कि दोषियों की गिरफ्तारी और जल्दी सुनवाई की मांग तो की जा सकती है और उसे सरकार पूरा भी कर सकती है, पर सरकार किसी भी कानून द्वारा आरोपी को सजा नहीं दे सकती।

अब यह स्थिति सभी राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को मालूम भी होती है, परंतु राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए वे अपने भाषणों में आरोपियों को तुरंत लटकाये जाने की मांग करते रहते हैं। अब ऐसे नेताओं से कौन पूछे कि किस विधि से आंदोलनकारियों की मांग को तुरंत पूरा किया जा सकता है ? वे कभी भी इस सवाल का जवाब नहीं दे पाएंगे। क्यूंकि भारत में न्याय की एक प्रक्रिया है जो सभी देश के नागरिकों पर लागू होती है। अदालत के 4 चरण होते है, पहला मजिस्टरेयत फिर सेशन कोर्ट तब हाई कोर्ट और अंत में सुप्रीम कोर्ट। सेशन कोर्ट दोषों को फांसी की सजा सुना तो सकता है परंतु उस पर मुहर हाई कोर्ट को लगाना जरूरी है।अर्थात हाई कोर्ट तक मामले की सुनवाई तो होगी ही। अब आंदोलनकारियों की मांग को पूरा करने के लिए इन अदालतों को सभी काम छोड़कर उस एक मामले की सुनवाई के लिए तैयार बैठे ! ऐसा हो नहीं सकता क्यूंकि यह संभव ही नहीं असंभव ही है। तब बार क्यू दोषी को तुरंत फांसी देने का आश्वासन और कानून ? सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ओक ने अभी अपने एक भाषण में कहा भी है कि भीड को तुरंत न्याय देने के बयघन बिल्कुल गलत है। यह न्याय प्रक्रिया को चोट पँहुचाते हैं। तो यह है सुप्रीम कोर्ट की रॉय।हाँ हरियाणा में पाँच युवकों ने जिन्हे गौ रक्षक बताया जा रहा है उन्होंने एक कार में सवार परिवार पर इसलिए गोलियां बरसा कर एक युवक की हत्या कर दी, क्यूंकि उनके अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि कर में गौ तस्कर घूम रहे हैं। इसलिए उन्होंने कार का पीछा कर के चलती कार पर गोली वर्षा कर दी ! अब दो सवाल है कि यह गौ तस्कर क्या होते हैं ? दूसरे गए की तस्करी किस प्रकार की जा सकती है ? हरियाणा की हिंदुवादी सरकार का रिकार्ड काफी खराब रहा है, गाय के परिवहन को गाय की तस्करी बता कर मुस्लिम लोगों को मारने –पीटने और यंहां तक कि उनकी हत्या करने का भी मामला चल चुका है।जब राजस्थान के चार मुस्लिम ग्वालों को पीट –पीट कर मारने का। अदालत में इस मुकदमे में हरियाणा सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। यंहा सवाल यह है कि पुलिस को तो पूछने का जांच करने का अधिकार है पर इन गौ भक्तों को किसी की तलाशी लेने या पूछने का अधिकार कहां से मिल गया।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्ध्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

मुद्दों को लेकर मतभेद

मनु श्रीवत्स

पूर्ण राज्य का दर्जा समाप्त कर दिए जाने से कश्मीर के साथ–साथ जम्मू के लोगों में भी कहीं न कहीं नाराजगी है। जम्मू संभाग की आबादी का एक बड़ा हिस्सा जम्मू–कश्मीर के पुनर्गठन को लेकर बेहद संवेदनशील है और मानता है कि पूर्व डोगरा महाराजा गुलाब सिंह द्वारा बनाए गए जम्मू–कश्मीर के स्वरूप और आकार के साथ छेड़–छाड़ करना ठीक नही था। इसे डोगरा गौरव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

जम्मू–कश्मीर में ऐसा बहुत कम हुआ है जब किसी एक मुद्दे ने पुरे प्रदेश की जनता को किसी एक मुद्दे विशेष से जोड़ा हो और कोई एक मुद्दा या नारा पूरे प्रदेश को एक धागे में बांध सका हो। प्रदेश के दोनों हिस्सों, कश्मीर और जम्मू में हमेशा मुद्दों को लेकर मतभेद रहे हैं । दोनों जगह हमेशा अलग–अलग मुद्दो पर चुनाव लड़े जाते रहे हैं।

कश्मीर में हमेशा संवेदनशील मुद्दे और नारे उछाले जाने का एक लंबा इतिहास रहा है। उत्तेजना से भरे श्आजादीय जैसे नारे चुनावों में लगाए जाते रहे हैं। ऐसे नारे भावनाएं भड़काने का काम तो करते थे मगर हासिल कुछ नही था। कई बार चुनाव में श्पाकिस्तान्य को भी एक बड़ा मुद्दा बनाए जाने की कोशिश की जाती थी।

मगर कश्मीर में इस दफा तमाम श्भड़काऊय मुददों व नारों की जगह ऐसे मुद्दे आम लोगों में जगह बना रहे हैं जो नए भी हैं और आम लोगों से जुड़े हुए भी हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अभी तक किसी भी राजनीतिक दल की तरफ से नए मुद्दों को जोरदार ढ़ंग से आम जनता के बीच ले जाने की कोशिश नही हुई है, मगर बावजूद इसके नए मुद्दे अपने आप जनता के बीच जगह बना रहे हैं।दूसरी तरफ प्रदेश के जम्मू संभाग में कश्मीर से पूरी तरह से अलग मुद्दों को लेकर चुनाव होते रहे हैं। जम्मू संभाग में राष्ट्रीय मुद्दों का असर अधिक दिखाई देता रहा है। कभी भी ऐसा मौका नही आया जब दोनों हिस्से एक ही सुर में मुद्दों को उठाते नजर आए हों। लेकिन इस बार जब जम्मू–कश्मीर में लंबे समय के बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं तो कुछ मुद्दों पर प्रदेश के दोनों हिस्सों में एक आम सहमति बनती दिख रही है और एक स्वर में दोनों तरफ बात होती दिखाई दे रहे है।

पूर्ण राज्य की मांग

इस समय पूरे प्रदेश में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने की मांग एक बड़ा मुद्दा बन रही है। अगर देखा जाए तो इस वक्त यह पूरे प्रदेश का सबसे ज्वंलत मुद्दा है जिसे लेकर प्रदेश के दोनों हिस्सों में व्यापक सहमति है। यह एक सच्चाई है कि आम लोग अनुच्छेद–370 की समाप्ति को लेकर इतने अधिक नाराज भले ही नही हों, लेकिन पूर्ण राज्य का दर्जा समाप्त कर दिए जाने से कश्मीर के साथ–साथ जम्मू के लोगों में भी कहीं न कहीं नाराजगी है। जम्मू संभाग की आबादी का एक बड़ा हिस्सा जम्मू–कश्मीर के पुनर्गठन को लेकर बेहद संवेदनशील है और मानता है कि पूर्व डोगरा महाराजा गुलाब सिंह द्वारा बनाए गए जम्मू–कश्मीर के स्वरूप और आकार के साथ छेड़–छाड़ करना ठीक नही था। इसे डोगरा गौरव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे लेकर लोग काफी मुखर हैं और शिद्दत के साथ चाहते हैं कि प्रदेश को उसका पूर्ण राज्य का दर्जा वापस मिले। लोगों के रुख को देखते हुए विधानसभा चुनाव में लगभग सभी गैर भाजपा राजनीतिक दल भी इस मुद्दे को लोगों के बीच पूरी ताकत के साथ उठाने जा रहे हैं। पांच अगस्त 2019 को जम्मू–कश्मीर का दर्जा समाप्त करते समय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था कि जल्द ही जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा जल्द लौटा दिया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी भी लगातार कहती आ रही है कि प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। लेकिन कब, इसे लेकर पार्टी के पास कोई सपष्ट जवाब फिलहाल नही है।

श्दरबार कूचय भी बड़ा मुद्दा

पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के साथ–साथ श्दरबार कूचय (दरबार मूव) का मुद्दा भी एक बड़ा मुद्दा बन रहा है। श्दरबार कूचय परंपरा के बंद होने से प्रदेश के दोनों हिस्सों में बहुत गुस्सा है। विशेषकर जम्मू में लोगों को इस मुद्दे पर भारी नाराजगी है।

पूर्व डोगरा शासक महाराजा रणबीर सिंह द्वारा 1872 में शुरू की गई श्दरबार कूचय की परपंरा को बंद करने से सबसे अधिक असर प्रत्यक्ष रूप से जम्मू के व्यापार जगत पर पड़ा है। आम लोग श्दरबार कूचय की परंपरा को भी डोगरा स्वाभिमान से जोड़ कर देखते हैं।

यह मुद्दा भारतीय जनता पार्टी के गढ़ माने जाने वाले जम्मू नगर व जम्मू जिले और कुछ हद कर पूरे जम्मू संभाग की अर्थव्यवस्था से बहुत गहरे से जुड़ा हुआ है। जम्मू का कारोबार श्दरबार कूचय की परंपरा के समाप्त होने से बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। सर्दियों में श्दरबार कूचय की वजह से जम्मू के बाजारों में जो रौनक हुआ करती थी वह अब गायब है। हर साल जो चार से पांच लाख कश्मीरी आबादी जम्मू आती थी वह अब आना बंद हो गई है।

श्दरबार कूचय के अपने फायदे थे। यह एकमात्र ऐसी परंपरा थी जो प्रदेश के दोनों हिस्सों को आपस में जोड़े हुए थी। एक खूबसूरत पुल का काम करती थी यह परंपरा। ध्रवीकरण के माहौल में भी अगर जम्मू के लोग और व्यापारी श्दरबार कूचय को दोबारा शुरू करने की बात कर रहे हैं तो यह अपने आप में दर्शाता है कि 152 साल पहले शुरू हुई परंपरा की जड़े कितनी मजबूत हैं।

पहाड़ी भाषियों को दर्जे से नाराजगी

केंद्र द्वारा पहाड़ी भाषियों को भाषा के आधार पर अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने से भी एक बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। यह नाराजगी भी एक बड़े मुद्दे में परिवर्तित हो रही है। जिन पहाड़ी भाषी लोगों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिला है उनकी ज्यादातर आबादी जम्मू संभाग के दो जिलों पुंछ व राजौरी तक ही सीमित है। यही दो ऐसे जिले हैं यहां पहाड़ी भाषी लोगों की बड़ी आबादी का राजनीति में दखल और असर है। दोनों जिलों में पहाड़ी भाषी 50 से 60 प्रतिशत के आसपास हैं। इनमें बहुसंख्यक आबादी मुस्लिम है जबकि कुछ संख्या हिन्दू व सिख समुदाय की भी है। कश्मीर घाटी में सबसे अधिक बारामूला जिले में लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहाड़ी भाषी लोग हैं। पूरे प्रदेश में नौ प्रतिशत ही आबादी ऐसी है, जिसे पहाड़ी भाषी माना जाता है ।दरअसल गुज्जर–बक्करवाल समुदाय को 1991 से अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिला हुआ है। इसी को लेकर पहाड़ी भाषी लंबे समय से मांग कर रहे थे कि उन्हें भी अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए। लेकिन गुज्जर–बक्करवाल समुदाय पहाडियों की इस मांग का लगातार विराध कर रहा था। मगर केंद्र की मौजूदा सरकार ने इस विरोध को पूरी तरह से नजरअंदाज करके फरवरी 2024 में पहाडियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने का निर्णय ले लिया। लेकिन अब गुज्जर–बक्करवाल समुदाय के साथ–साथ अन्य इलाकों के लोग व वर्ग भी पहाड़ी भाषियों को विशेष दर्जा दिए जाने को लेकर गुस्से में हैं। बेहद दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का कहना है कि भाषा के आधार पर पहाड़ी भाषियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देना हर लिहाज से गलत है। उनका कहना है कि भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर सरकार को दर्जा देना चाहिए

भारतीय जनता पार्टी की मुश्किल यह है कि पहाड़ी भाषियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने से यहां एक तरफ गुज्जर–बक्करवाल समुदाय सहित अन्य कई वर्गों में नाराजगी है वहीं उसके कोर वोटर ने भी केंद्र के इस कदम को पसंद नही किया है।। कश्मीर घाटी जम्मू संभाग में भी इस मुद्दे पर लोगों में नाराजगी है।हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में पहाड़ी भाषी लोगों को दिए गए अनुसूचित जनजाति के दर्जे का कोई बहुत अधिक लाभ वोट में परिवर्तित होता दिखाई नही दिया। हालांकि भारतीय जनता पार्टी ने अपना की उम्मीदवार इन इलाकों में खड़ा नही किया था मगर श्अपनी पार्टीय को पार्टी ने अपना समर्थन दिया था। लेकिन पहाड़ी कार्ड नही चल सका।

अनुच्छेद–370 मुद्दा नही

अनुच्छेद–370 को लेकर भले ही कश्मीर केंद्रित राजनीतिक दल अभी भी आवाज उठाते हैं मगर उनका स्वर बहुत धीमा है। वजह यह है कि अनुच्छेद–370 अब कोई मुद्दा नही है। यह कश्मीर के राजनीतिक दलों की एक राजनीतिक मजबूरी मात्र है। नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने बेशक अपने चुनावी घोषणापत्र में अनुच्छेद–370 और 35–ए जैसे मुद्दों का जिक्र किया है मगर आम लोगों में इन विषयों को लेकर बहुत अधिक चर्चा नही है। राजनीतिक रूप से बेहद सजग रहने वाले कश्मीर के लोग यह बात भलीभांति समझते हैं कि झेलम से बहुत अधिक पानी बह चुका है और अनुच्छेद–370 अब इतिहास के पन्नों में कहीं खो चुका है ।कश्मीर में ऐसे अनगिनत लोग मिल जाएंगे जो अनुच्छेद–370 पर बात करते समय बिलकुल व्यवहारिक होकर बात करते हैं। इन लोगों का मानना है कि अनुच्छेद–370 में अब रह भी कुछ नही गया था। समय के साथ–साथ अनुच्छेद–370 के अधिकतर प्रावधान खत्म हो चुके थे। इसलिए जब पांच अगस्त 2019 को इसकी समाप्ति की घोषणा हुई तो ऐसा कुछ विशेष बचा नही था जिसके छिन जाने से कोई बहुत बड़ा नुक्सान महसूस होता।अलबत्ता कुछ राजनीतिक दलों के लिए अनुच्छेद–370 का महत्व पांच अगस्त 2019 से पहले भी था और अभी भी बना हुआ है । विशेषकर उन दलों के लिए जिनकी राजनीति अनुच्छेद–370 के इर्द–गिर्द घूमती रही है। इन दलों में कश्मीर केंद्रित राजनीतिक दल भी शामिल हैं और भारतीय जनता पार्टी भी। इन सबके लिए अनुच्छेद–370 पहले भी महत्वपूर्ण था और आज भी महत्व रखता है। इसमें भी कोई संदेह नही कि भविष्य में भी जब कभी राजनीतिक रूप से आवश्यक होगा अनुच्छेद–370 का जिन्न बोतल से बाहर निकाला जाएगा और उसका राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जाएगी। लेकिन यह एक सच्चाई है कि गत वर्षों के दौरान जिस तेजी से जम्मू–कश्मीर में परिस्थितियां बदली हैं उसने अपने आप नए मुद्दों को जन्म दिया है। अनुच्छेद–370 की जगह अब यही नए मुद्दे आम आदमी के लिए महत्वपूर्ण हो गए हैं।

सरकार की असल नीति क्या है?

सही है विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों ने छोटे कारोबारियों को व्यापार से बाहर करने के लिए चीजें सस्ती दरों पर बेचीं। उस कारण उन्हें घाटा हुआ। सवाल है सरकार की असल नीति क्या है?

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ई–कॉमर्स कंपनियों पर सीधा निशाना साधा। उन्हें देश के करोड़ों खुदरा कारोबारियों की बढ़ती मुसीबत का कारण बताया। उन्होंने कहारू ई–कॉमर्स की भारत में बेरोक वृद्धि से ष्बड़े पैमाने पर सामाजिक अस्त–व्यवस्ताष पैदा हो सकती है, जिसका असर दस करोड़ छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। गोयल एक संस्था की रिपोर्ट जारी होने के मौके पर बोल रहे थे। रिपोर्ट श्भारत में रोजगार एवं उपभोक्ता कल्याण पर ई–कॉमर्स का संपूर्ण प्रभावय शीर्षक से जारी हुई है। गोयल ने अमेजन कंपनी का नाम लेकर उस पर निशाना साधा। उनकी टिप्पणी गौरतलब हैरू श्कीमत तय करने का लूटेरा चलन क्या देश के हित में है, जहां अमेजन जब कहती है कि वह अरबों डॉलर का निवेश करेगी, तो हम सब खुशी मनाते हैं। लेकिन हम अंदरूनी कहानी भूल जाते हैं कि ये अरबों डॉलर किसी बड़ी सेवा या भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सहायक किसी बड़े निवेश के रूप में नहीं आ रहे हैं। ये रकम कंपनी अपना घाटा पाटने के लिए ला रही है। लेकिन अरबों डॉलर का घाटा हुआ ही क्यों?'य गोयल का तात्पर्य है कि इन कंपनियों को घाटा छोटे कारोबारियों को व्यापार से बाहर करने के लिए चीजें सस्ती दरों पर बेचने के कारण हुआ। उसे पाटने के लिए अरबों डॉलर लाए गए। यह नहीं कहा जा सकता कि गोयल की बातें बेबुनियाद हैं। मगर सवाल यह उठेगा कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीति क्या है? क्या उसकी नीतियों ने हर तरह के विदेशी निवेश को प्रोत्साहित नहीं किया है? और क्या उसका ही यह परिणाम नहीं है कि देश में विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों का पूरा वर्चस्व बन गया है। वैसे क्या यह भी एक सच नहीं है कि केंद्र की ही नीतियों या कार्य–प्रणाली से तंग आकर अनेक कंपनियां बाहर चली गई हैं। इस क्रम में ना तो देसी उद्योग का विकास हुआ है और ना विदेशी निवेश से अपेक्षित उद्देश्य पूरा हुआ है। क्या गोयल की बातें अब ई–कॉमर्स सेक्टर में अनिश्चय का माहौल नहीं बनाएंगी? वैसे खुदरा कारोबार सेक्टर की मुसीबतें बढ़ाने में नोटबंदी और जीएसटी जैसे नीतिगत फैसलों का क्या रोल रहा है, गोयल को यह भी बताना चाहिए।

सबसे खधैफनाक हवाई अपहरण

रजनीश कपूर

जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी डॉ एस पी वैद के अनुसार, उस समय की सरकार के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप ने निर्णय लेने में बहुत देर लगाई। यदि उस विमान को अमृतसर हवाई अड्डे से उडने नहीं दिया जाता तो तस्वीर पूरी तरह बदल जाती। अमृतसर में तैनात स्थानीय अधिकारियों को भी बिना किसी औपचारिक आदेश के, राष्ट्र हित में यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि किसी भी सूरत में विमान को उडने नहीं दिया जाए।

बीते सप्ताह नेटफ्घ्लिक्स पर सत्य घटनाओं पर आधारित एक वेब सीरिज रिलीज हुई जिसे लेकर काफी बवाल मचा। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ी, नेटफ्घ्लिक्स ने बिना किसी विलंब के स्पष्टिकरण भी दे दिया। परंतु जिस तरह सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं उस स्थिति पर तो मशहूर शायर शहाब जाफरी का ये शेर एक दम सही बैठता है, तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि काफिघ्ला क्यूँ लुटा? मुझे रहजनों से गिला नहीं तेरी रहबरी का सवाल है। आज हम बात करेंगे देश के इतिहास में हुए सबसे खधैफनाक हवाई अपहरण की। इस हाईजैक को लेकर बनी वेब सीरिज पर इन दिनों काफी बवाल मचा हुआ है। परंतु सवाल उठता है कि यदि ओटीटी प्लेटफार्म ने भूल को सुधार ही लिया है तो फिर बवाल किस बात का? बवाल या विवाद यदि होना ही है तो उस समय की परिस्थितियों को लेकर हो तो शायद सत्य जनता के सामने आए।

यदि चंद घंटों के लिए आपकी ट्रेन या फ्लाइट में देरी हो जाए तो आप किस कदर परेशान हो जाते हैं इसका अनुमान तो आसानी से लगाया जा सकता है। परंतु यदि आप अपने गंतव्य पर जा रहे हैं और अचानक से आपके विमान का हाईजैक कर लिया जाए तो आपकी क्या मनोस्थिति होगी इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। अपहरण जैसे हादसे न सिफर्ध यात्रियों की बल्कि यात्रियों के परिवार और सरकार की भी परेशानी का सबब बन जाते हैं। क्योंकि न तो कोई सरकार या कोई भी यात्री इन परिस्थितियों के लिए तैयार रहता है। 1999 में हुए आईसी–814 का अपहरण, भारत के इतिहास में अब तक का सबसे लंबा चलने वाला अपहरण है।

इस अपहरण को लेकर उस समय की सरकार द्वारा लिए गएय और न लिये गयेय निर्णयों पर विवाद एक बार फिर से गरमा गया है। सत्तापक्ष का कहना है कि नेटफ्घ्लिक्स पर दिखाए जाने वाली वेब सीरिज ने तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश किया है। यदि ऐसा है तो निर्माताओं द्वारा ऐसा करना बिलकुल गलत है। वहीं इस विमान में मौजदू एक महिला यात्री का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी हुआ है जिसने इस बात को खुल कर कहा है कि वेब सीरीज में दिखाए गए सभी घटनाक्रम सहीं हैं।

विवाद की बात करें तो सत्तापक्ष को इस बात पर एतराज था कि वेब सीरिज के निर्माताओं ने पाकिस्तानी मूल के अपहरणकर्ताओं के असली नाम नहीं बताए। उनके कोड नामों को ही प्रचारित किया गया है। चूँकि मैंने इस वेब सीरिज को पूरा देखा है इसलिए मैं और मेरे जैसे सभी दर्शक इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि भारत की खधुफिया जाँच एजेंसियों के जिन अधिकारियों को इस वेब सीरिज में दिखाया गया है, उनमें से कई अधिकारियों ने इन आतंकी अपहरणकर्ताओं के असली नाम भी लिये हैं। परंतु इस तथ्य को भी नहीं झुठलाया जा सकता है कि, हाईजैकिंग के दौरान आईसी–814 में सवार यात्रियों ने पूछताछ में बताया था कि हाईजैकर्स एक–दूसरे को बुलाने के लिए कोडनेम का इस्तेमाल कर रहे थे। ये कोडनेम, चीफ, डॉक्टर, बर्गर, भोला और शंकर थे। यह बात भी सही है कि इनके असली नाम इब्राहिम अतहर, शाहिद अख्तर सईद, शनि अहमद काजी, मिस्त्री जहूर इब्राहिम और शाकिर थे। इन नामों का खुलासा 6 जनवरी 2000 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में किया गया।जिस बात को लेकर इस वेब सीरिज पर बवाल हुआ है वह यह कि ऐसे आतंकियों को हिंदू कोडनेम से क्यों बुलाया गया है? गौरतलब है कि जिस किसी ने भी यह वेब सीरीज देखी है वह बड़ी आसानी से इस बात की पुष्टि कर सकता है कि किस तरह नेपाल में पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी इनका सहयोग कर रहे थे। विमान में यात्रा से पूर्व इन आतंकियों के पहनावे से भी यह बात स्पष्ट हो जाती है कि वे हिंदू नहीं थे। तो फिर बिना बात का बवाल क्यों? वहीं उस समय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जो अब सेवानिवृत हो चुके हैं, ये मानते हैं कि आईसी–814 के अपहरण को भारत सरकार द्वारा सही से मैनेजय नहीं किया गया।

किस तरह एक सरकारी विभाग, दूसरे विभाग पर जिघ्म्मेदारी डालता रहा। एक टीवी चौनल को साक्षात्कार देते हुए जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी डॉ एस पी वैद के अनुसार, उस समय की सरकार के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप ने निर्णय लेने में बहुत देर लगाई। यदि उस विमान को अमृतसर हवाई अड्डे से उडने नहीं दिया जाता तो तस्वीर पूरी तरह बदल जाती। अमृतसर में तैनात स्थानीय अधिकारियों को भी बिना किसी औपचारिक आदेश के, राष्ट्र हित में यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि किसी भी सूरत में विमान को उडने नहीं दिया जाए।

आईसी–814 के अपहरण के बदले छोड़े जाने वाले खधूँखघर आतंकवादियों के विषय में डॉ वैद कहते हैं कि, ऐसे खधूँखघर आतंकियों को जिघ्ंदा पकडना ही गलत है। यहाँ मुझे एक दिलचस्प किघ्स्सा याद आ रहा है। अब से कई वर्ष पहले मुरादाबाद में मैं एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था जहां पंजाब के पूर्व डीजीपी केपीएस गिल से एक महिला ने सवाल पूछा, गिल साहब जब आप पंजाब में खधूँखघर आतंकियों को पकड़ते थे तो आपको कैसा महसूस होता था? गिल साहब के उत्तर को सुन पूरा हॉल ठहाके लगा कर हंस पड़ा। उनका उत्तर था, मैडम कृपया अपने तथ्य सही कर लें, मैंने कभी किसी आतंकी को जिघ्ंदा नहीं पकड़ा।

उस संकट की घड़ी में यदि कोई अधिकारी ऐसे ही मजबूत निर्णय ले लेता तो आज यही वेब सीरिज भारत के सरकारी तंत्र के गुणगान में बनती। लेकिन अफसोस है कि ऐसा न हो सका। इसलिए यदि कोई राजनैतिक दल वेब सीरिज के निर्माताओं पर तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगा रहा है तो उसे इस बात के लिए भी तैयार रहना चाहिए कि सरकार द्वारा निर्णय लेने में इतनी देरी क्यों हुई जिस कारण हमें आजतक शर्मसार होना पड़ रहा है? तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि काफिघ्ला क्यूँ लुटा?

प्रदेश में किसानों को मिल रहा उनकी उपज का मूल्य व लोगों को रोजगार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में वर्ष भर खाद्यान्न, बागवानी, दुग्ध तथा अन्य कृषि उत्पाद हेतु प्रदेश के वृहद उत्पाद को दृष्टिगत रखते हुए अवशेष (सरप्लस) उत्पाद को मूल्य संवर्द्धन श्रृंखला में परिवर्तित करते हुए प्रसंस्कृत उत्पाद के रूप में आमजन के लिए सुलभ कराये जाने के लिए प्रदेश सरकार विस्तृत रूप में कार्य कर रही है। प्रदेश में सहज सुलभ श्रमशक्ति, वृहद स्तर पर प्रसंस्करण योग्य उत्पाद एवं इस क्षेत्र में रोजगार सृजन की असीमित सम्भावनाओं को देखते हुए प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों का सुनियोजित विकास बहुगुणित करने हेतु सरकार ने उ०प्र० खाद्य प्रसंस्करण नीति लागू की है।

उ०प्र० राज्य में बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में पूंजी निवेश, रोजगार सृजन एवं राज्य की ग्रामीण आय में वृद्धि की अपार सम्भावनाएं हैं। खाद्यान्न, बागवानी उत्पाद, दूध, मांस के कुल उत्पादन में पूरे देश में उ०प्र० का प्रमुख स्थान है। बड़े बाजार, उत्पादन की कम लागत, मानव संसाधन के अलावा कच्ची उपज की पर्याप्त उपलब्धता के कारण राज्य में बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के लिए काफी सम्भावना है. इसीलिए प्रदेश को एक फूड पार्क राज्य में विकसित करने के लिए उ०प्र० सरकार संकल्पित है। प्रदेश मे खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो के सुनियोजित विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2017 प्रख्यापित की गई है जिसके द्वारा पूँजीगत अनुदान, ब्याज उत्पादन, गुणवत्ता एवं प्रमाणीकरण बाजार विकास, अनुसंधान एवं विकास तथा निर्यात प्रोत्साहन के साथ–साथ प्रदेश मे उद्योगो की स्थापना हेतु अनेक रियायतें एवं छूट प्रदान की गई है।

उत्तर प्रदेश आलू विकास नीति के अन्तर्गत प्रदेश की मुख्य नकदी फसल आलू के चतुर्दिक एवं सुनियोजित विकास के लिए भी अनेक प्रकार की सुविधाएँ एवं छूट प्रदान की गई है। इन नीतियों के प्रख्यापन एवं क्रियान्वयन से प्रदेश मे खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो की स्थापना से मूल्य संवर्धन सुनिश्चित हो रहा है। सरकार की इन नीतियों से उत्पादक एवं उपभोक्ताओं को लाभ हो रहा है तथा प्रदेश के किसानों का आर्थिक विकास हो रहा है।

प्रदेश सरकार ने उ0प्र0 खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 प्रख्यापित की है जिसमें उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए अनेको रियायते दी है। उ0प्र0 खाद्य प्रसंस्करण यूनिट स्थापित करने के लिए 12.5 एकड़ से अधिक भूमि खरीदने की अनुमति एवं गैर–कृषि उपयोग घोषणा के लिए सर्कल रेट पर मूल्य का 02 प्रतिशत शुल्क के रूप में जमा करने से छूट प्रदान की गयी हैं। परियोजना स्थल में आने की सरकारी भूमि के विनियम (एक्सचेन्ज) में अनिवार्य रूप से भूमि के मूल्य का 25 प्रतिशत धनराशि जमा किये जाने पर छूट, भूमि उपयोग का रूपांतरण पर 50 प्रतिशत की छूट, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों पर बाहरी विकास शुल्क (एक्सटर्नल डेवलपमेन्ट चार्जेस) 75 प्रतिशत की छूट, स्टांप शुल्क से छूट, प्रसंस्करण के लिए राज्य के बाहर से लाई गयी कृषक उपज पर मंण्डी शुल्क और उपकर से छूट, प्रसंस्करण इकाइयों को सीधे बेचे जाने वाले कृषि उत्पाद के लिए मण्डी शुल्क और उपकर से छूट, प्रसंस्करण इकाइयों को बिजली आपूर्ति के लिए सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर सब्सिडी, निर्यात हेतु परिवहन सब्सिडी, पूंजीगत सब्सिडी, राज्य में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना के सम्बन्धा में संयंत्र, मशीनरी और तकनीकी सिविल कार्य पर किये गये व्यय का 35 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी अधिकतम सीमा रू0 05 करोड़ तक प्रदान किये जाने का प्रावधान हैं।

उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के विस्तार और आधुनिकीकरण/उन्नयन के संबंध में संयंत्र मशीनरी और तकनीकी सिविल कार्य पर किए गए व्यय के 35 प्रतिशत की पूंजी सब्सिडी अधिकतम सीमा रू0 1 करोड़ तक प्रदान किये जाने का प्रावधान हैं। मंडी शुल्क और सेस के भुगतान के संबंध में पूरे उत्तर प्रदेश को खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए एक बाजार क्षेत्र बनाया जा रहा हैं। इसके अन्तर्गत उद्यमी आधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकते हैं, साथ ही उन्हें विकेंद्रीय प्रसंस्करण और भंडारण को बढ़ावा भी दिया जा रहा हैं। राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्रों पर एक वर्षीय ट्रेड डिप्लोमा कोर्स (कैनिंग, खाद्य संरक्षण ट्रेड बेकरी, कन्फेक्शनरी एवं पाक कला आदि) के अन्तर्गत प्रशिक्षण भी दिया जा रहा हैं। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पी.एम.एफ.एम.ई.) के अन्तर्गत वर्ष 2023–24 में व्यक्तिगत उद्यमियों/स्वयं सहायता समूहों/एफ.पी ओ तथा को–आपरेटिव्स को प्रदेश के सभी जनपदों में तकनीकी ई. डी.पी. प्रशिक्षण प्रदान किये जाने का कार्य हो रहा हैं।

इस योजनान्तर्गत वर्ष 2023–24 में प्रदेश में 12593 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों के उन्नयन का लक्ष्य है जिसके सापेक्ष 6672 की पूर्ति की गयी। वित्तीय वर्ष 2024–25 में इस योजना के अन्तर्गत 21000 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के उन्नयन के लक्ष्य के सापेक्ष 2396 की पूर्ति की गई हैं। ओ.डी.ओ.पी. उत्पाद इकाईयों को प्राथमिकता दी जा रही हैं। इसके अन्तर्गत सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना/उन्नयन पर अनुमन्य परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम रु0 10 लाख क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी अनुमन्य है। इसमें लाभार्थी का योगदान 10 प्रतिशत और अवशेष ऋण के माध्यम से किया जा सकता हैं। योजनान्तर्गत डी.पी.आर. तैयार करने, कौशल प्रशिक्षण, बैंक ऋण प्राप्त करने, एफ0एम0 एस0ए0 आई. स्थानीय निकाय लाईसेन्स, उद्योग आधार आदि के लिए हैण्ड होल्डिंग सपोर्ट भी उपलब्ध कराया जाता हैं। प्रदेश सरकार द्वारा खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना के लिए हर स्तर पर उद्यमियों को सहायता दी जा रही हैं। उद्यमी प्रदेश में इकाईया स्थापित कर रहे हैं। स्थापित हो रही इन इकाईयों से भारी मात्रा में लोगों को रोजगार भी मिल रहा हैं।

दो थानेदार किये गये लाइन हाजिर

जौनपुर (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक डॉ अजयपाल शर्मा ने मंगलवार की देर रात कई थानेदारों का तबादला कर दिया। इस तबादले में दो थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर दिया गया है जबकि दो चौकी प्रभारी को थानेदारी की जिम्मेदारी सौपी गयी है। पुलिस विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार लाइनबाजार के थानाध्यक्ष के के चौबे और गौराबादशाहपुर के थानेदार राजाराम द्विवेदी को लाइन हाजिर कर दिया गया, केराकत कोतवाल को लाइनबाजार की कमान सौपा गया, मीडिया सेल में तैनात अवनीश को राय को केराकत का प्रभार मिला है। सरायख्वाजा के एसओ मनोज कुमार सिंह को सरपतहां भेजा गया। सरायपोख्ता के चौकी इंचार्ज फूलचंद पांडेय को गौराबादशाहपुर का थानेदार बनाया गया। बक्शा के प्रभारी उदय प्रताप सिंह को जन सूचना सेल में भेज दिया गया।

ट्रैक्टर गड्ढे में गिरा, युवक ने दम तोड़ा

जौनपुर (आरएनएस)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के खलसहा निवासी 22 वर्षीय सूरज यादव बीती रात 11 बजे अपना ट्रैक्टर लेकर वह सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जमीन पकड़ी किसी कार्य के लिए गया था जहां ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और ट्रैक्टर समेत वह 10 फीट गड्ढे में जाकर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने अपनी निजी वाहन से जिला चिकित्सालय लाया जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत्यु घोषत कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है घरवालों ने बताया कि नवरात्रि मे अपना नया ट्रैक्टर निकलवाया था वहीं मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

संक्षेप

गड्ढे से लोग हो रहे चोटिल

गोण्डा।गुरुनानक चौक पुलिस चौकी से सटा हुआ सार्वजनिक सुलभ शौचालय के मुख्य द्वार पर पानी भरा गड्ढा होने से शौचालय का प्रयोग करने वाले दूर– दराज के यात्री कई बार गड्ढे में गिर कर चोटिल हो जाते हैं जबकि नगर पालिका इस ज्वलंत समस्या पर ध्यान नहीं दे रही है। वहीं दूसरी तरफ इस सुलभ शौचालय में यात्रियों से पेशाब करने का भी शुल्क तीन रुपए साफ सफाई के नाम पर लिया जाता है। जबकि नियम यह है कि सुलभ शौचालय का ठेका लेने वालों को मूत्रालय निःशुल्क की सूविधा प्रदान करनी ही होगी और इसे लिखकर प्रदर्शित भी करना होगा। जबकि इस शौचालय में मूत्रालय निःशुल्क कहीं नहीं लिखा है। देख रेख करने वाले लोगों से बात करने पर उन्होंने बताया कि यहां पर गड्ढे के कारण शौचालय का प्रयोग करने बहुत कम लोग आते हैं इसलिए साफ सफाई के लिए मूत्रालय का शुल्क वसूला जाता है। जबकि गाड़ी वालों दुकानदारों से मूत्रालय का शुल्क नहीं लिया जाता है। प्रकरण पर जब अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संजय मिश्रा से बात करने के लिए कई बार फोन मिलाया परन्तु उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा।

अवैध मादक पदार्थ के साथ बंदी

गोण्डा।मिली जानकारी अनुसार मंगलवार को थाना नवाबगंज के उपनिरीक्षक उत्कर्ष कुमार पाण्डेय मय फोर्स शांति व्यवस्था हेतु क्षेत्र भ्रमण में रवाना थे कि माला बगिया बहदग्राम महंगूपुर में अवैध मादक पदार्थ बेचने की सूचना प्राप्त हुआ। उक्त सूचना पर संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी की गयी तो उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ (18.600 ग्राम स्मैक) बरामद कर अभियुक्त विष्णु सिंह पुत्र राम शंकर सिंह निवासी ग्राम दत्तनगर थाना नवाबगंज जनपद गोण्डा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना नवाबगंज में मु0अ0स0–393ध2024 धारा 8ध21 एन0डी0पी0एस0 एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी।

विजेताओं को किया गया सम्मानित

गोण्डा।जिला स्तरीय स्काउट प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा सम्मानित किया गया।मंगलवार को आरपीआदर्श इंटर कॉलेज मनकापुर के स्काउट छात्रों कप्तान, अमन यादव, शनि अनुभव, दुर्गेश, शिवम, अंश,अभिषेक, कुलदीप, प्रिंस, प्रतीक, अतुल, आदित्य, आलेख, ओम प्रकाश को प्रबंधक पूर्व कृषि मंत्री आनंद सिंह के निर्देश पर सम्मानित किया गया। छात्रों को मुख्य अतिथि मनकापुर कोट के प्रबंधक हरीश पांडेय ने प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में शामिल होना बड़ी बात है।विजेता बनना और अच्छी बात है। मेहनत और लगन से सफलता जरूर मिलती है।स्काउट शिक्षक एसपी सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रवि शंकर, लल्लू सिंह,सुधांशु गुप्त ,एसपी सिंह ,अनिल कुमार सिंह, अनिल शुक्ला, अरूण सिंह, अमर सिंह, एलबी वर्मा, श्रवण, विवेक पांडेय ,मोहित आदि मौजूद रहे।

जूडो प्रतियोगिता का आयोजन

सीतापुर। जिला स्तरीय जूडो बालक वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को महमूदाबाद स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि एसडीएम शिखा शुक्ला रहीं। प्रतियोगिता में छात्रों ने जमकर पसीना बहाया। प्रथम पुरस्कार अमरजीत, सनी, अभय यादव, आयुष पटेल, मानस मौर्या, आलोक यादव, रितेश, अभय, अशहद तथा नैतिक, द्वितीय पुरस्कार अतुल, आदर्श, राजबहादुर, साहिल, निखिल वर्मा, रोहित कुमार, निहाल, अखिल कुमार, मुदित तथा अयान, तृतीय पुरस्कार नैतिक सोनी, दिव्यांशू गुप्ता, अमन यादव, राम सहारे, विवेक कुमार, अनुज कनौजिया, विशाल, रितिक, युग तथा आदि को प्रदान किया गया। पुरस्कार मुख्य अतिथि ने सौपे इस मौके पर राजेश कुमार सोनकर, जूडो प्रशिक्षक शिखा कश्यप, फराज अली, रौनक कश्यप, आनन्द कुमार सोनकर, सुश्री साबरीन, जयशंकर गुप्ता, आदि मौजूद रहे।

पात्रों को लाभान्वित किया जाये

सीतापुर। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में बैंकों के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। जिसमें जनपद के प्रमुख बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि ऋण जमा अनुपात सी डी रेशियों में सुधार किया जाये और इस संबंध में सभी अधिकारी अपनी कार्ययोजना अविलम्ब प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकों के माध्यम से संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं से अधिक से अधिक पात्रों को लाभान्वित किया जाये। जनपद में नए उद्योगों की स्थापना एवं संचालित उद्योगों के विस्तार हेतु नियमानुसार ऋण स्वीकृत किया जाये, जिससे जनपद का सर्वांगीण विकास हो सके। इसके साथ ही शिक्षा ऋण, होम लोन, किसान क्रेडिट कार्ड आदि भी समय से वितरित कराये जायें। प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों से संबंधित पत्रावलियों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के अधिकारियों से अपेक्षा की कि जिन शाखा प्रबंधकों की सीडी रेशियों में खराब प्रगति है, उनमें सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। एमएसएमई, एक जनपद एक उत्पाद आदि में भी सुधार हेतु जिलाधिकारी ने निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी से बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की अपेक्षा भी की। बैठक के दौरान एल0डी0एम0 अनल कुमार सहित बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्ञान कार्यशाला का समापन

लखनऊ(आरएनएस) विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञान कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत श्रीमती रूपा मिश्रा, जेएस महुआ द्वारा की गई। उन्होंने सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मिशन के संचालन में तकनीकी और प्रबंधकीय दृष्टिकोण दोनों का ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तकनीकों का चयन करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ चीजों को स्थानीय निकायों पर नहीं छोड़ना चाहिए, जिनकी क्षमता पर सवाल उठता है, क्योंकि कई निकाय नियमित निष्पादन में भी विफल हैं।श्रीमती मिश्रा ने ष्क्लीन टॉयलेटष अभियान के महत्व पर चर्चा की, जिसे विश्व शौचालय दिवस से शुरू किया गया था। यह अभियान पांच सप्ताह तक चलेगा, जिसमें शौचालयों को स्वच्छ करने, पुराने शौचालयों की मरम्मत और जन जागरूकता फैलाने पर जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने एसएचजी के सहयोग से संचालन और सुधार कार्यों को आगे बढ़ाने की बात की।उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक एसबीएम 2.0 की प्रत्येक परियोजना को जमीनी स्तर पर शुरू कर दिया जाएगा। शहरी भारत में जल प्रबंधन और जल संसाधनों के कार्यों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने राज्यवार और क्षेत्रवार आगामी कार्यशालाओं की योजना बनाई, जिससे बड़े पैमाने पर इंजीनियर और राज्य के अधिकारी शामिल होकर अपने शहरों को बेहतर बना सकें।कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. वी. के. चौरसिया, सलाहकार, सीपीएचईईओ द्वारा राज्यों द्वारा नियोजन और डीपीआर तैयार करने के अनुभव साझा किए गए।

अधिवक्ताओं ने पुष्प गुच्छ देकर किया स्वागत

सीतापुर। नव आगन्तुक जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना का बार एसोसिएशन के सभागार मे बार एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ताओं ने पुष्प गुच्छ देकर माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कुमार अवस्थी एवं संचालन दिनेश कुमार त्रिपाठी महासचिव ने किया। नव आगन्तुक जनपद न्यायाधीश के जिले में कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त बार एसोसिएशन के सभागार में अधिवक्ताओं के मध्य आकर उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता गण को उनके विधि व्यवसाय के दौरान न्यायिक अधिकारियों की ओर से उचित सम्मान एवं सुविधाएं दिलाने एवं युवा अधिवक्तागण को उनके विधि व्यवसाय के प्रारंभिक दौर मे उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया तथा बार एवं बेंच के मध्य सौहार्दपूर्ण वातावरण मे न्यायिक कार्यों को गति प्रदान किये जाने के लिए आश्वस्त किया तथा उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों को आपसी विवाद के माध्यम से निदान कराये जाने का उचित तरीका बताया। वही अध्यक्ष विजय अवस्थी ने कहा कि बार एवं बेंच एकमात्र उद्देश्य वादकारी को न्याय दिलाना है जिसके लिये बार व बेन्च को मिलकर काम करने की आवष्यकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता वी.के अस्थाना, अजीत चन्द्रा, वीके सिंह, उमाकांत मिश्र एल्डर्स कमेटी के वरिष्ठ सदस्य, शिवदत्त शुक्ला, राम मनोहर भार्गव, पूर्व अध्यक्ष राम नरेश मिश्र, हरीश त्रिपाठी, चन्द्रभाल गुप्त, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इशरत अली खॉ, कोषाध्यक्ष राम प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष कुलदीप पाण्डेय, राजेश मेहरोत्रा, गिरीश मिश्र, राम मोहन पाण्डेय, हरिओम मिश्र, मनोज सिंह, शैलेंद्र सिंह, अरुण मिश्र, राजेन्द्र तिवारी, विमल मोहन मिश्रा सहित काफी संख्या मे अधिवक्तागण मौजूद रहें।

द्रुत गति से चित्रकूट का हो रहा विकास

चित्रकूट। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह के जनपद आगमन पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, जिला महामंत्री आलोक पांडेय, अश्विनी अवस्थी, मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हीरो मिश्र आदि मौजूद रहे। राष्ट्रीय महामंत्री सर्वप्रथम चित्रकूट में भगवान कामतानाथ के दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की कामना की।

उन्होंने कहा कि चित्रकूट चिंतन और तप की भूमि है। भारतरत्न नानाजी देशमुख ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय व स्वावलंबन के चिंतन को मूर्तरूप यही प्रदान किया। रावण जैसे आतातायी का वध करने और रामराज्य की स्थापना के लिए प्रभु श्रीराम ने यहीं पर चिंतन किया। चित्रकूट के सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार संकल्पित प्रयास कर रही हैं। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस परिक्षेत्र के पर्यटन स्थलों के विकास के लिए आधारभूत संरचनात्मक विकास पर द्रुत गति से सरकार काम कर रही है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओ ने संगठन पर्व सदस्यता अभियान में सक्रिय सहभाग किया। साथ ही संगठन पर्व में कार्यकर्ता मनोयोग से लगकर निष्पक्ष संगठन चुनाव करने में सहभागी हैं। चित्रकूट प्रवास के दौरान राष्ट्रीय महामंत्री के साथ डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल, अखिलेश रैकवार, नरेन्द्र गुप्ता, अनूप त्रिपाठी, श्रद्धांशु तिवारी, अभिषेक ओझा, सुशील द्विवेदी, पवन बद्री, विनीत पयासी, शुभम केशरवानी, सुरेश अनुरागी आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज के दो साहित्यकार सम्मानित

➤ अखिल भारतीय साहित्य सृजन मंच का तीसरा भव्य महाधिवेशन सम्पन्न

➤ जया मोहन को मिला कोशी साहित्य स्वर्ण सम्मान, डॉ भगवान उपाध्याय को सम्पादक श्री

प्रयागराज। विगत चार दशक से अधिक अपने सार्थक साहित्य सृजन के माध्यम से प्रयागराज ही नहीं अपितु पूरे देश में पहचान बनाने वाले दो साहित्यकारों को अखिल भारतीय साहित्य सृजन मंच खगड़िया बिहार में आयोजित तृतीय महाधिवेशन के अवसर पर सम्मानित किया गया।

नगर की वरिष्ठतम कवयित्री जया मोहन के कहानी संग्रह हार गई अपराजिता पर मंच द्वारा कोशी साहित्य स्वर्ण सम्मान प्रदान किया गया और डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय द्वारा सम्पादित कहानी संग्रह सोलह नई कहानियाँ पर मंच ने सम्पादक श्री से अलंकृत किया द्य सभी सम्मानित साहित्यकारों को सम्मान पत्र अंगवस्त्र प्रतीक चिह्न के साथ माल्यार्पण करके अभिनंदित किया गया द्य समारोह में देश भर से आये शताधिक साहित्यकारों को आवास एवं भोजन जलपान की सुव्यवस्थित समुचित व्यवस्था की गई थी और आयोजन समिति द्वारा अति विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था द्य उद्घाटन संचालन संयोजन स्वागत मनमोहक नृत्य संगीत के साथ निरंतर बारह घंटे से अधिक समय तक चलने वाले इस भव्य समारोह में अंत तक हरदासचक स्थित जे पी वर्मा सभागार श्रोताओं से खचाखच भरा हुआ था और इस ऐतिहासिक सम्मान समारोह में एक दर्जन से अधिक पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया द्य भव्य कवि सम्मेलन का देर रात तक आनंद लेने वाले सैकड़ों श्रोताओं ने अपनी गरिमामय

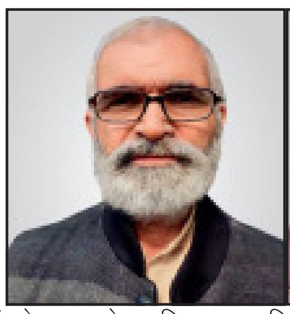

उपस्थिति से सप्तसलिला नगरी खगड़िया बिहार के गौरव में चार चाँद लगाया द्य संयोजन संचालन आभार संस्थापक शिव कुमार सुमन की निष्ठा और समर्पण के लिए सभी ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

यातायात नियमो हेतु किया गया जागरूक

गोण्डा।मंगलवार को यातायात प्रभारी जगदम्बा गुप्ता द्वारा ष्सड़क सुरक्षा माहष के तहत स्वामी विवेकानन्द इंटरमीडिएट कालेज गोण्डा के छात्रध्छात्राओं को यातायात नियमो का पालन करने हेतु जागरूक करते हुए तथा उपस्थित छात्रध्छात्राओं व विद्यालय के स्टाफ को संबोधित करते हुए यातायात नियमों के पालन करनेध्कराने का संदेश दिया गया। दो पहिया वाहनों पर हेलमेट प्रयोग करने, दो ही सवारी बैठ कर चलने, चार पहिया वाहनों पर सीट बेल्ट लगाकर चलने, हमेशा ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन संबंधी प्रपत्रों को साथ रखने, यातायात के नियमों का पालन करने, एम्बुलेंस एवं अग्निशमन वाहन को पास दिए जाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन पर बात न करने, तेज गति से वाहन न चलाने, गलत साइड से ओवरटेकिंग न करने, सड़क पर दुर्घटना होने पर घायल व्यक्तियों की मदद करे तथा 112 नम्बर पर इसकी सूचना दे।

मिशन शक्ति के तहत वीरांगना दिवस का आयोजन

कुशीनगर।जिला मुख्यालय रवीन्द्र नगर धूस स्थित वन सेन्टर पर मिशन शक्ति 5.0 अंतर्गत वीरांगना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने वाली छात्राओं एवं महिलाओं को सम्मानित किया गया। कुमारी जितन यादव के द्वारा अपनी बहन का बाल विवाह रूकवाया गया। कुमारी कृति तिवारी के सिर से पिता का साया उठने के पश्चात ट्यूशन पढ़ाकर अपने क्षेत्र के छोटे–छोटे बच्चों को शिक्षित करते हुए अपनी शिक्षा जारी रखी हुई हैं। इनके साथ श्रीमती सुमन जायसवाल, श्रीमती कीर्तन यादव, श्रीमती उर्मिला कुशवाहा, श्रीमती ममता दूबे, श्रीमती नैना देवी, श्रीमती माया मिश्रा, श्रीमती दुर्गावती देवी एवं सुश्री आभा ज्योति आदि को शॉल, मिष्ठान एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभाग करने वाली स्कूली छात्राओं को कन्या सुमंगला योजना, स्पांसरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, चाइल्ड हेल्प लाइन (1098), वुमेन हेल्पलाइन (1090), वन स्टॉप सेन्टर (181), पुलिस (112), एम्बुलेंस 108 व 102 के साथ–साथ मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (1076) के बारे मे जानकारी देते हुए 03 छात्राओं के स्पांसरशिप योजना एवं 02 छात्राओं को कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित करने हेतु चिह्नित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार द्वारा महिला एवं बच्चियों को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए छात्राओं को वीरांगना दिवस की बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी गयी। अमित शाही अध्यक्ष बाल कल्याण समिति द्वारा झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, सुचेता कृपलानी रहे।

महेवाघाट से अलानिया बेचा जा रहा है गांजा

पश्चिम शरीरा, कौशाम्बी। कभी खाकी के बूटों की धमक से गूंजने वाले भवन में अब खाकी की दस्तक भले ना हो पर नशेड़ियों की चहल कदमी आसानी से देखी जा सकती है अब इस भवन के नजदीक खुले आम गांजा पुड़िया की शक्ल में बेचा जा रहा है सुबह होते ही यह कारोबार शुरू हो जाता है जो देर रात तक चलता रहता है इस गोरखधंधे में कारोबारी हर रोज लाखों रुपए समेट रहे हैं। उधर इलाकाई पुलिस है कि सब कुछ जानकार भी अनजान बनी हुई है।

महेवाघाट पुराने थाने के पास बहुचर्चित भवन से खुलेआम बेखौफ एक युवक द्वारा बड़े पैमाने पर गांजा बेचा जा रहा है सोचने वाली बड़ी बात यह है कि जहां पर सारा दिन गांजा बेचा जाता है वहां पुलिस की मौजूदगी बनी रहती है खाकी के आशियाना बदलते ही उसके आसपास गोरखधंधे का अड्डा बन गया है । बताया जाता है कि अब इस भवन में नशेड़ियों का मजमा लगने लगा है सुबह होते ही गांजा के शौकीन इस भवन में अड्डा जमा लेते हैं सूत्रों की माने तो यहां गांजा के शौकीनों को पुड़िया की शक्ल में गांजा मुहैया कराया जाता है मजेदार बात यह है कि भवन से महज चंद कदम की दूरी पर पुलिस की पिकेट भी मौजूद रहती है अब उन्हें इस गोरखधंधे की जानकारी न हो यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है। बताया जाता है कि गांजा के शौकीन इलाके के लोग तो यहां आते ही हैं पड़ोसी जनपद जमुनापार चित्रकूट राजापुर क्षेत्र के नशेड़ी भी यहां बड़े पैमाने पर जमा होते हैं इलाकाई लोगों की माने तो युवा तबका तेजी से नशे की गिरफ्त में होता जा रहा है। कुछ जागरूक लोगों ने स्थानीय पुलिस समेत महकमे के हुक्मरानों तक से शिकायत करने का दावा कर रहे हैं उनका कहना है की शिकायत के बावजूद भी इस कारोबार में अब तक रोकथाम नहीं लगी है । सूत्रों की माने तो हिनौता चौकी क्षेत्र के एक गांव का चर्चित गांजा माफिया की सरपरस्ती में यह कारोबार फल फूल रहा है ।

साल भर से ठप है बसों का संचालन, बढ़ गई दिक्कत

➤ लालगोपालगंज रेलवे स्टेशन से श्रृंगवेरपुरधाम तक अलग से बस चलाए जाने की उठी मांग, दर्जनों शिकायत के बाद भी परिवहन विभाग नहीं कर रहा कार्यवाही

लालगोपालगंज– प्रयागराज। स्थानीय नगर से प्रयागराज बस स्टेशन तक चलने वाली इलेक्ट्रॉनिक बसों का संचालन साल भर से ठप पड़ा है। वहीं लालगोपालगंज रेलवे स्टेशन से श्रृंगवेरपुरधाम तक कुंभ मेले के दृष्टिगत बस सुविधा की मांग जोर पकड़ रही है। बसों का संचालन बंद किए जाने से व्यापारियों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि दर्जनों शिकायत के बाद भी परिवहन विभाग की ओर से कोई कार्यवाही नहीं कि गई है।गौतलब है कि प्रयागराज रेलवे स्टेशन से लालगोपालगंज रेलवे स्टेशन तक इलेक्ट्रॉनिक बसों का संचालन आरंभ हुआ था तो लोगों के चेहरे चमक उठे थे। हालांकि साल भर पहले इन बसों का संचालन बंद कर दिया। विभाग का कहना है कि ई बसें सिर्फ प्रयागराज विकास प्राधिकरण की सीमा तक ही चल सकती है। फिलहाल ई बसों का आवागमन प्रयागराज से मंसूराबाद तक किया जा रहा है। विभागीय कार्यवाही से व्यापारियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि उन्हें डग्गामार वाहनों का सहारा लेना मजबूरी है। स्थानीय लोग ई बसों के संचालन बंद किये जाने की बाबत इसे डग्गामार वाहन स्वामी और परिवहन विभाग की मिलीभगत भी बता रहे हैं। उधर पूर्व चेयरमैन डॉ कुदूसी, प्रदीप कुमार केशरवानी, समाजसेवी व पूर्व सभासद राहुल लोकप्रिय, शनिधाम ट्रस्ट बिजलीपुर के अध्यक्ष संजय तिवारी ने ई बसों का संचालन फिर से किये जाने के साथ महाकुंभ के मद्देनजर लालगोपालगंज रेलवे स्टेशन से श्रृंगवेरपुरधाम तक नई बस सेवा आरंभ कराए जाने की मांग डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या व विभाग के जिम्मेदारों से किया है।

डीएम ने जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये लोगों की सुनी समस्याएं,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता राकेश कुमार निर्मल निवासी टिकरिया बुजुर्ग ने शिकायत किया कि प्रार्थी की भूमिधरी भूमि पर गांव के सन्तलाल सरोज, फूलचन्द्र, मैकूलाल, कल्लू लाल अवैध कब्जा कर लेना चाहते है एवं प्रार्थी के स्वतंत्र कब्जे में अवैध हस्तक्षेप कर रहे है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी कुण्डा एवं एसएचओ कुण्डा को निर्देशित किया है कि राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर शिकायत का निस्तारण करायें। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरती जाये।

मुख्यमंत्री योगी ने निगम की नवनिर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन किया

प्रयागराज। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर निगम की

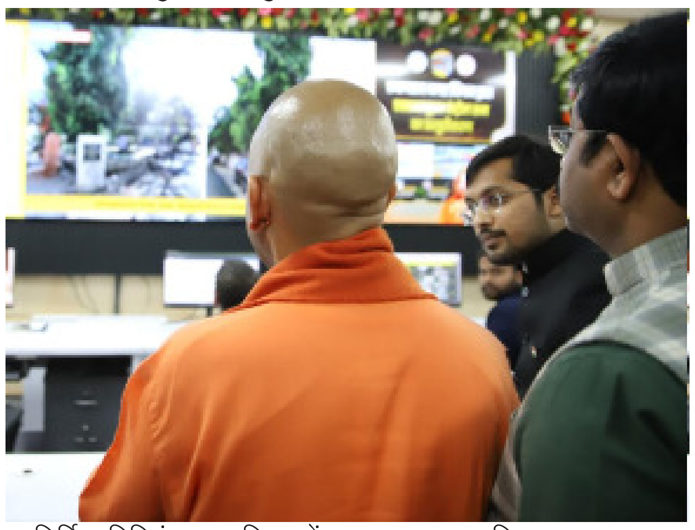

नवनिर्मित बिल्डिंग व सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग ने उन्हें होने वाले महाकुंभ में निगम की भूमिका से अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्य कर अधिकारी व जनसंपर्क अधिकारी पीके द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने किया नागवासुकि का दर्शन

प्रयागराज। महाकुम्भ की तैयारियों को परखने प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ का विशेष ध्यान प्राचीन मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर रहा। प्रयागराज में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही मुख्यमंत्री योगी नागवासुकि मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। यहां उन्होंने नागवासुकि मंदिर में दर्शन और पूजन किया। यहां सीएम योगी ने नागवासुकि की प्रतिमा को माला पहनाकर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद सीएम योगी ने गंगा पुत्र भीष्म का भी दर्शन किया। साथ ही पुष्प अर्पित कर आरती भी उतारी। उनके साथ उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य, नगर विकास मंत्री एके शर्मा, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं मंदिर के पुजारी भी मौजूद थे।

भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है भारतीय संविधान दिवस प्रोफेसर दिगम्बर तंगलवाड़

प्रयागराज। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र के शिक्षकों कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को संविधान दिवस पर संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के अकादमिक

निदेशक प्रोफेसर दिगंबर तंगलवाड़ ने कहा कि 26 नवम्बर 1949 की तिथि भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 26 नवम्बर 1949 के दिन भारतीय संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित एवं आत्मसमर्पित किया गया। भारतीय संविधान न केवल हमारे अधिकारों एवं कर्तव्यों को परिभाषित करता है बल्कि देश की एकता, समानता, स्वतंत्रता एवं समरसता के आदर्शों से जोड़ता भी है। डॉ. भीमराव आम्बेडकर के नेतृत्व में भारतीय संविधान सभा ने एक ऐसा लिखित दस्तावेज तैयार किया जो भारत के विभघन्नि धर्मों, जातियों की विविधता को बनाए रखता है। 26 नवम्बर यानि संविधान दिवस हमें लोकतांत्रिक मूल्यों, न्याय और सामाजिक समरसता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर देता है। भारतीय संविधान हमारी स्वतंत्रता और प्रगति का मार्गदर्शक है। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के डॉ. अख्तर आलम ने किया । इस अवसर पर साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रोफेसर अखिलेश कुमार दुबे, डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. आशा मिश्रा, डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी, डॉ. यशार्थ मंजुल, डॉ. सत्यवीर, डॉ. सुरभि विप्लव, डॉ. विजया सिंह, डॉ. श्याम सिंह, जयेन्ध्द्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्ध्तव, राहुल त्रिपाठी, रश्मि, प्रत्ध्यूष शुक्ध्ल, गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी सहित कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे, और उन्हें संविधान की शपथ दिलाई गई।

नगर निगम प्रयागराज का एतिहासिक छड़

पारदर्शी तरीके से सुविधाएं पहुंचाना बड़ी उपलब्धि– योगी

प्रयागराज। बुधवार को नगर निगम में मुख्यमंत्री योगिआदित्य नाथ का इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने नवनिर्मित भवन का अनावरण के साथ पी०एम०सी० 24–7 मोबाइल ऐप और डिजिटल वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। जिसमें आम जनमानस को अब मोबाइल पर मिलेगी नगर निगम की समस्त सुविधाएं प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल रूम का अनावरण, शहर की हर गतिविधि पर होगी नगर निगम की नजर। जन सेवाओं का ऐतिहासिक शुभारंभरू प्रयागराज नगर निगम ने प्रयागराज स्मार्ट सिटी के सहयोग से नई सेवाओं की शुरुआत की। उन्होंने निगम में नवनिर्मित अत्याधुनिक कंट्रोल रूम एवं नागरिक सुविधा केंद्र का अनावरण किया। नगर निगम की नई, नागरिक केंद्रित सेवाओं पीएमसी 24–7 मोबाइल ऐप और डिजिटल वेबसाइट का शुभारंभ किया। महाकुम्भ को स्वच्छ बनाने और आमजन को निर्बाध रूप से सुविधाएं प्रदान के लिए नगर निगम ने यह सुविधाएं शुरू की हैं. अब न सिर्फ सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल रूम के माध्यम से शहर की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि आमजन को भी सेवाओं के लिए इधर उधर नहीं भटकना पड़ेगा। नगर निगम ने प्रयागराज स्मार्ट सिटी के सहयोग से इन सेवाओं की शुरुआत की है। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग अमृत अभिजात नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पीके द्विवेदी, उपस्थित रहे।

वर्तमान समय में संविधान का अनुपालन आदर्श समाज की आधारशीला

प्रयागराज। गंगा नाथ झा संस्कृत विश्वविद्यालय संविधान दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन परिसर के मुख्य सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार गिरी, अपर महाधिवक्ता उत्तर प्रदेश तथा विशिष्ट अतिथि प्रभूति कांत त्रिपाठी, अतिरिक्त स्थाई शासकीय अधिवक्ता रहे। मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार गिरी ने भारतीय संविधान की व्यवस्था को रामायण के सन्दर्भ में प्रस्तुत किया। उन्होंने रामायण के प्रसंगो कों दोहों के साथ वर्णित करते हुए संविधान निर्माण का आधार बताया। राजेश कांत तिवारी ने जनजातीय गौरव दिवस के सन्दर्भ में बिरसा मुंडा के विषय में प्रेजेंटेशन के साथ प्रस्तुति दी। उन्होंने बिरसा मुंडा को क्रांति का पुरोधा बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने आज के सन्दर्भ में संविधान के प्रति निष्ठां रखते हुए व्यवहार करने को प्रेरित किया। उन्होंने वर्तमान समय में संविधान का अनुपालन करना एक आदर्श समाज की व्यवस्था की आधारशीला होना बताया। वेद विद्याशाखा के अध्यक्ष प्रो.मनोज कुमार मिश्र, शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे,शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के सह–संयोजक डॉ.मनीष जुगरान, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा की प्राध्यापिका डॉ. मोनाली दास , साहित्यशास्त्र विद्या शाखा के प्राध्यापक डॉ. धीरज कुमार मित्र, संगणक एवं प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण विभाग के प्राध्यापक राजेशकान्त तिवारी, प्रोफेशनल सहायक डॉ.श्याम सुन्दर पाण्डेय,अनुभाग अधिकारी संजय मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.श्याम सुन्दर पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय एवं राजेश कांत तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

धूमधाम से निकली 55 दूल्हों की बारात, दुल्हनों ने डाली वरमाला

प्रयागराज। के पी ग्राउंड प्रयागराज में साहू एकता मंच द्वारा आयोजित चौदहवें निःशुल्क सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह में 55 जोड़ों का विवाह बैंड बाजे के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। साहू एकता मंच द्वारा आयोजित 14 वें निशुल्क सर्व जातिय सामूहिक विवाह में शामिल होने के

लिए गिरिजाघर सिविल लाइंस प्रयागराज से 55 दूल्हों की बारात एक साथ घोड़ी पर सवार होकर बैंड बाजे के साथ विवाह स्थल पर पहुंची। जहां सुधा गुप्ता, शोभा गुप्ता एवं डॉ नीता साहू ने सभी वर को अक्षत तिलक लगाकर स्वागत किया। प्रत्येक वर वधू को मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद साहू व परिजनों ने आशीर्वाद दिया। मंच की ओर से प्रत्येक जोड़ों को पौधारोपण हेतु पौधा प्रदान किया गया। वर वधुवों ने एक दूसरे को जयमाल पहनाकर आजीवन सुखमय जीवन व्यतीत करने का संकल्प लिया। जय माल के पश्चात प्रत्येक जोड़ों के लिए बनाए गए विवाह मंडप में वैदिक रीति रिवाज के साथ पुरोहितों द्वारा विवाह संपन्न कराया गया। विवाह संपन्न होने के बाद समिति द्वारा प्रत्येक वर वधुओं को गृहस्थी के सभी सामान उपहार स्वरूप प्रदान कर विदा किया गया। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद साहू ने नव दंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए अतिथियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने समारोह में सहयोग करने वाले दानदाताओं को भी धन्यवाद दिया। समाज के आर्थिक सहयोग से ही कन्याओं का उद्धार होता है। साहू व सर्व समाज को दहेज रूपी दानव से बचाने के साथ सामाजिक उत्थान के लिए विवाह का आयोजन विगत तेरह वर्षो से लगातार किया जा रहा है। सर्व समाज के चौदहवां निः शुल्क सामूहिक विवाह समारोह में अनुरुद्ध प्रताप गुप्ता कुबरी शंकरगढ़, प्रीति साहू डीह पड़री रीवा मप्र, सुमित साहू अहमदपुर रूबी साहू कौशांबी, जगदीश साहू कौशांबी संजना साहू मूरतगंज कौशांबी, अनिल गुप्ता लंगड़ीपुर कनिहार, कंचन गुप्ता हंडिया, प्रभाकर साहू मऊआइमा, शिल्पी गुप्ता तेजपुर मऊआइमा, आकाश जायसवाल कानपुर, राधिका कुशवाहा भूसौली,अनिल कुमार नागपुर(महाराष्ट्र),आरती कुमारी आराकला प्रयागराज, आकाश साहू बमरौली प्रयागराज, नैना साहू नया पुरा प्रयागराज, अंकित कुमार साहू सोरांव, मनीषा फूलपुर, दीपू गुप्ता करेहदा, कोमल गुप्ता मकदूमपुर, रामरक्षा मेजा रोड, शीला गुप्ता मेजा, अवतार विश्वकर्मा करेली, भारती शर्मा नगला राजस्थान आदि सहित 55 जोड़ों की शादी हुई। समारोह का संचालन उपाध्यक्ष अजय साहू व मानिकचंद्र साहू ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद साहू, महासचिव शंकर लाल साहू,संरक्षक सेवानिवृत ए डी एम राम लखन गुप्ता, डॉ वी एन गुप्ता, पोलर मैन मंगलम गुप्ता,सुधा साहू, डॉ नीता साहू , डा. सुमन साहू, रामलोचन साहू, वैज्ञानिक सुनील साहू भाभा अनुसंधान केंद्र मुंबई ,डॉ मुरली धर गुप्ता,मंत्रीगण मदन लाल साहू, गिरिजा शंकर गुप्ता, ओम बाबू साहू, कमलेश साहू, बबली साहू, रानी साहू, नरेंद्र कुमार साहू, अजय कुमार साहू, मक्खन लाल साहू, मंच के मीडिया प्रभारी छेदी लाल साहू, प्रेम चंद्र साहू अन्ना , राकेश कुमार साहू आदि प्रमुख लोग रहे ।

पटरी दुकानदारों ने ज्ञापन सौपा।

प्रयागराज। रेडी पटरी के दुकानदारों को आए दिन ठेला को तोड़ फोड़ और चालान कर दिया जा रहा है इसके विरोध में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या से फुटपाथ व्यापारी एकता समिति प्रयागराज के मुख्य संरक्षक विजय गुप्ता के नेतृत्व मे सर्किट हाउस जनता दर्शन में प्रतिनिधि प्रतिनिधि मंडल मिलकर एक सूत्री ज्ञापन सौपा है। विमल गुप्ता ,लीलावती पांडेया, कमलेश कुमार, श्याम, हेमंत बनर्जी आदि व्यापारी गण उपस्थित रहे

एक भारत श्रेष्ठ भारत।

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में बुधवार को शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित श्एक भारत श्रेष्ठ भारत श् के तहत युवा संगम फेज 5 के अंतर्गत योजना एवं वास्तुकला महाविद्यालय, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश के 55 विद्यार्थीयों का दल भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के तत्वावधान में भ्रमण पर आया। संग्रहालय की तरफ से डॉ सुशील शुक्ल ने उन्हें प्राचीन भारतीय वास्तु विज्ञान व कलावशेषों से परिचित कराया। प्रतिभागियों ने मौर्य कालीन ईसा पूर्व के प्रस्तर स्तम्भ के साथ भरहुत स्तूप के भग्नावशेषों को देखकर दो हजार पूर्व की तकनीकी विकास पर आश्चर्य व्यक्त किया। सेंगोल की प्रतिकृति, चन्द्रशेखर आजाद की पिस्तौल,मानव उदर के शल्यक्रिया का नमूना के साथ रूसी चित्रकार निकोलस रोरिक के चित्र आगंतुकों के आकर्षण के केंद्र रहे।

गोल्ड मेडलिस्ट छात्र –छात्राएं बोली सीएम योगी अभिभावक और आईकॉन।

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दीक्षांत उद्देश्य को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने पूरी एकाग्रता से सुना। मंच से सीएम के हाथों गोल्ड मेडल पाने वाले इन छात्र छात्राओं में योगी अभिभावक और आईकॉन नजर आए। एम कॉम की गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया वर्मा ने कहा कि योगी जी को आमने सामने सुनना अपने अभिभावक से बातचीत करने जैसा लगा। मेरे

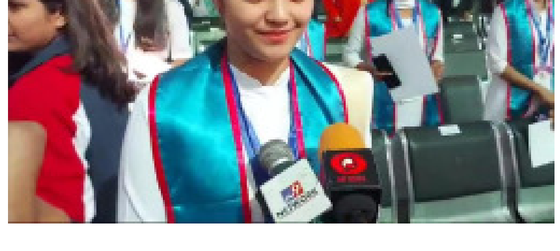

लिए वह मेरे आईकॉन हैं। इसी तरह, बीए की टॉपर आंचल त्रिपाठी ने भी सीएम योगी के हाथों मेडल हासिल किया। आंचल का कहना है कि योगी जी युवा शक्ति की प्रेरणा है। उनका बाते नई ऊर्जा प्रदान करती है। एमएससी केमिस्ट्री की गोल्ड मेडलिस्ट रिया तिवारी के लिए आज का यह पल कभी न भूलने वाला था। रिया का कहना हैं कि मुख्यमंत्री जी के उद्बोधान से भविष्य को लेकर एक दिशा मिली है। हमारे लिए वे सीएम से अधिक मार्ग दर्शक हैं। मेडल हासिल करने वालों में एक अकेले छात्र शुभम कुमार यादव का कहना हैं कि कैसे अनुशासन में रहा जाता है, कैसे शांत रहकर अपनी बात कही जा सकती है, पीछे की असफलताओं को छोड़कर भविष्य में आगे बढ़ा जाता है यह हम योगी जी से सीख सकते हैं।

दुनिया के मंचों पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की छाप छोड़ेगा महाकुम्भ।

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रयागराज दौरे पर महाकुम्भ की तैयारियों को गति देते हुए मेला क्षेत्र में सुरक्षा, स्वच्छता मित्रों व गंगा सेवादूतों के लिए 237.38 करोड़ के उपकरण व विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि प्रयागराज के दुनिया के इस सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन के साथ हम सबको जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। वेणी माधव भगवान ने, मां गंगा ने, हम सबको ये अवसर दिया है कि हम सभी लोग मिलकर इस भव्य और दिव्य आयोजन में सहभागी बनकर देश और दुनिया से आने वाले करोड़ें श्रद्धालुओं को प्रयागराज की महत्ता के बारे में बताएं। इस पौराणिक और दुनिया के सबसे बडे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम के माध्यम से प्रयागराज, उत्तर प्रदेश और भारत की इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की छाप दुनिया के मंचों पर देगा। इस आयोजन से जुड़ने का सौभाग्य हम सबको प्राप्त हुआ है तो यह जरूर पूर्वजन्मों के पुण्यों का ही प्रताप है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की तैयारी तेजी से आगे बढ़ रही है। सीएम योगी ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहे इस आयोजन के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद आप सभी का अभिनंदन करने फिर यहां आएंगे। सीएम योगी ने कहा कि दिव्य, भव्य और डिजिटल कुम्भ की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रयागराज महाकुम्भ आयोजन की नींव स्वच्छताकर्मी, सफाईकर्मी, नाविक और इस पूरे अभियान से जुड़े हुए जितने भी कार्मिक हैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। प्रयागराज का कुम्भ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में पूरे देश और दुनिया में प्रयागराज को एक वैश्विक छवि के रूप में स्थापित करने में सफल रहा है। एक भव्य, दिव्य कुम्भ के साथ ही कुम्भ भी स्वच्छता, सुरक्षा और सुव्यवस्था का एक प्रतिबिंब बन सकता है, कुम्भ के माध्यम से आने वाला हर व्यक्ति एक सुकून महसूस करके असीम आध्यात्मिक शांति की अनुभूति करता हो, यह दृश्य 2019 के प्रयागराज कुम्भ में देखने को मिला था। प्रयागराज कुम्भ के उस कार्यक्रम में स्वच्छ कुम्भ की परिकल्पना को साकार करने वाले स्वच्छता कर्मियों को प्रधानमंत्री जी ने उनके पैर धोकर उस समय संदेश दिया था कि स्वच्छ कुम्भ की नींव और उसकी आधारशिला कोई है तो वो सफाई कर्मचारी हैं, उनका सम्मान और अभिनंदन होना चाहिए।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं०: 11920242025 दिनांकः 25.11.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 18.12.2024 को 13.30 बजे** तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.: 247	अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 14921610.74
कार्यों का विवरणः सहायक मंडल अभियंता/अलीगढ़ के अधीन दनकौर और आसपास के स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं की भारी मरम्मत का कार्य।	
बयाने की रकम (रू) : ₹ 224600.00	कार्य समापन की अवधि : 08 महीने
निविदा खुलने की तिथि : 18.12.2024	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।	

बिड कैपेसिटी की आवश्यकता नहीं है। नोटः- (1) ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि **दिनांक 18.12.2024 समय 13:30 बजे** तक उपलब्ध है। (3) उपर्युक्त निविदा मे ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (4) निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (6) निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। **2036/24(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 24/79 दिनांकः 26.11.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	64245320	व्हील फॉर सीएसएम/यूएनआई/बीसीएम	124 नग	01.01.2025
2	63245480	गेल्वेनाइज्ड प्लेट स्क्रीव टु आरडीएसओ ड्राइंग नं0. टी-3912	124145 नग	01.01.2025
3	6324RC11	रेट कॉन्ट्रेक्ट फॉर मैनुफैक्चर एण्ड सप्लाई ऑफ थीक वेब एसईजे (कम्पलीट सेट) विद फिटिंग्स फॉर बीजी 60 केजी यूआईसी ऑन पीएससी स्लीपर्स ऑफ आरडीएसओ डीआरजी नं0 टी-8822,	700 सेट	06.01.2025
4	20243067A	आई ओ एच रिप्लेसमेंट किट फॉर बी सी बी	88 सेट	19.12.2024
5	20243497	मेंटिनेंस ए ओ एच किट	107 सेट	24.12.2024
6	20243471A	माइक्रोप्रोसेसर बेस्ड इलेक्ट्रॉनिक स्पीड इंडिकेटिंग, रिकॉर्डिंग एंड एनर्जी मॉनिटरिंग सिस्टम	38 सेट	24.12.2024

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण **IREPS** वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। **2041/24 (ADM)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 12020242025 दिनांक : 25.11.2024

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/ इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यो के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर **दिनांक 18.12.204** तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यो का विवरण निम्न प्रकार है :-

नि0 सं0 : 248	जेम बिड सं0 : GEM/2024/B/5636604 dated 25.11.2024
कार्यो का विवरण : सहायक मंडल अभियंता/फतेहपुर एवं सहायक मंडल अभियंता/लाइन/ प्रयागराज के लिए 02 वर्षो के लिए पूर्णतया अच्छी स्थिति में 01.04.2022 के बाद पंजीकृत 02 गैर-ए/सी वाहन (एर्टिगा, टवेरा, शेवरोलेट, जाइलो, टाटा सफारी, स्कार्पियो, इन्नोवा) को किराये पर लिए जाने का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू) : 17,13,600.00	अग्रिम धन राशि मूल्य (रू) : 34,280.00
कार्य समापन की अवधि : 24 माह	निविदा खुलने की तिथि : 18.12.2024
पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : निल	

नोट :- (1) आनलाइन निविदा खुलने की तिथि 18.12.2024 तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर दिनांक 18.12.2024 तक उपलब्ध है। **2038/24 (C)**

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062